PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, मंगलवार 08 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

अलीगढ़ में शतरंज का महाकुंभ: 64 खानों पर शह-मात, पांच मंडलों की टीमें पहुंची

Aligarh Chess News: डीएस इंटर कॉलेज में आज से सजी शतरंज की बिसात! हाथी-ऊंट-घोड़े की चाल से तय होगी बाजी, 5 मंडलों की टीमें पहुंची। 11 सितंबर तक चलेगा रोमांच। अलीगढ़ के डीएस इंटर कॉलेज में मंगलवार से प्रदेश स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का हर मुकाबला पूरी तरह रोमांच से भरा होगा। सामने होगी 64 खानों की बिसात और उस पर एक-एक चाल के साथ बदलती बाजी। कहीं हाथी रास्ता बनाएगा तो कहीं ऊंट तिरछी चाल से हमला बोलेगा। घोड़े की ढाई घर की छलांग के बीच वजीर को बचाने की कोशिश होगी और राजा को सुरक्षित रखते हुए शह-मात की रणनीति तैयार होगी। डीएस इंटर कॉलेज में 8 से 11 सितंबर तक प्रतियोगिता होगी। सोमवार देर रात तक टीमें आती रहीं। देवीपाटन, आजमगढ़, सहारनपुर, वाराणसी और मेरठ मंडल की टीमें पहुंच गईं। बाकी मंडलों की टीमें मंगलवार सुबह सात बजे तक पहुंच जाएंगी। खेल जानकार डॉ. शाहनवाज खान ने बताया कि शतरंज में जीत ताकत से नहीं, दिमाग की रफ्तार और सही समय पर सही फैसला लेने की क्षमता से मिलती है। यहां खिलाड़ी के सामने सिर्फ मोहरों को आगे बढ़ाने की चुनौती नहीं होती, बल्कि प्रतिद्वंद्वी की सोच को पढ़ना भी होता है। डॉ. विपिन वार्ष्णेय ने बताया कि टीमों को एचबी इंटर कॉलेज, एसएमबी इंटर कॉलेज में छात्र, जबकि रतनप्रेम डीएवी इंटर कॉलेज, माहेश्वरी कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है।

Aligarh News: ट्रक की चपेट में आकर साइकिल सवार छात्र की मौत, हंगामा

गांधीपार्क थाना क्षेत्र के कमालपुर रोड पर सोमवार शाम एक सड़क हादसे में साइकिल सवार कक्षा छह के छात्र मनीष (14) की जान चली गई। अनियंत्रित ट्रक ने किशोर को कुचल दिया। हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर जाम लगाने का प्रयास किया और हंगामा खड़ा कर दिया। हालांकि, पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया और कड़ी कार्रवाई का भरोसा देकर किसी तरह मामले को शांत कराया। हादसा गांधीपार्क थाना क्षेत्र के नगला मानसिंह के पास सोमवार शाम 5.45 बजे हुआ। स्थानीय निवासी रणधीर सिंह का बेटा मनीष अपनी साइकिल से किसी काम से बाजार की तरफ जा रहा था। इसी दौरान, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मनीष संतुलन खो बैठा और सीधे ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। गंभीर चोट लगने और मौके पर अत्यधिक खून बहने से किशोर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे ट्रक चालक को दौड़ाकर दबोच लिया। गुस्से में आए लोगों ने उसकी पिटाई भी की और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। लापरवाह ड्राइविंग से नाराज भीड़ ने सड़क पर जाम लगाने और जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को बिगड़ता देख गांधीपार्क थाने से भारी पुलिस फोर्स तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और सख्त कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सीओ धनंजय कुमार के मुताबिक पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया और किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है। मनीष अपने घर में सबसे छोटा था। उससे बड़ी बहन है और बड़ा भाई है। पिता मजदूरी करते हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है।

Aligarh News: भैंस हटाने को कहा तो गर्भवती समेत कई को पीटा, कुंडल लूटे

थाना क्वार्सी क्षेत्र के निशातबाग इलाके में सड़क पर बंधी भैंस हटाने को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। मामूली बात पर भड़के एक पक्ष ने पीड़ित परिवार के घर में घुसकर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। हमले में एक गर्भवती महिला समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सोमवार सुबह करीब साढ़े सात बजे की है। पीड़ित परिवार के सदस्य अपने काम पर जा रहे थे। रास्ते में एक भैंस बंधी हुई थी जिसे हटाने का अनुरोध करने पर आरोपी पक्ष के लोग भड़क उठे। कहासुनी ने हुई शुरुआत बाद में मारपीट में बदल गई। आरोप है कि हमलावरों ने गर्भवती महिला तथा अन्य परिजनों को बेरहमी से पीटा और महिलाओं के कानों के कुंडल भी नोचकर ले गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को दीनदयाल अस्पताल भेजा। सीओ सर्वम सिंह के मुताबिक पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

Aligarh News: काट-पीट न करें... रील्स का शोर कर रहा कानों को कमजोर

ईयरबड्स-हेडफोन लगाकर घंटों रील्स देखने और तेज आवाज में गाने सुनने का शौक युवाओं के कानों पर भारी पड़ रहा है। मनोरंजन का यह शोर धीरे-धीरे सुनने की क्षमता को कमजोर करने के साथ सिरदर्द, कानों में भारीपन और चिड़चिड़ापन जैसी परेशानियां बढ़ा रहा है। जिला अस्पताल की ईएनटी ओपीडी में आने वाले मरीजों में करीब 15 से 20 फीसदी युवा ऐसे हैं, जो इस समस्या से पीड़ित हैं।

100 से 110 डेसिबल की आवाज खतरनाक

ईएनटी सर्जन डॉ. केके शर्मा ने बताया कि मानव कान के लिए 40 से 60 डेसिबल तक की आवाज ही सुरक्षित मानी जाती है। हालांकि, बाहरी वातावरण में वाहनों, डीजे और निर्माण कार्यों से औसतन 60 से 80 डेसिबल का शोर पहले से मौजूद रहता है। इसके बावजूद अधिकांश युवा 100 से 110 डेसिबल की तेज आवाज में गाने सुनते हैं और मोबाइल पर रील्स देखते हैं। ओपीडी में आने वाले मरीजों में करीब 50 फीसदी 20 से 30 वर्ष की उम्र के हैं।

याद्दाश्त और नींद पर भी पड़ रहा असर

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. रामकिशन ने बताया कि तय मानकों से अधिक ध्वनि के कारण कान के भीतर की संवेदनशील कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगती हैं। लंबे समय तक ऐसा होने पर कान में सीटी बजने (टिनिटस), सूजन, दोहरी आवाज सुनाई देने और माइग्रेन की शिकायत हो जाती है। छोटे बच्चों में ईयरफोन की लत से उनकी याद्दाश्त और समझने की क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सप्ताह में दो से तीन मामले ऐसे आ जाते हैं।

डॉक्टरों की सलाह

सुरक्षित ध्वनि सीमा : कानों को सुरक्षित रखने के लिए आवाज का स्तर हमेशा 60 डेसिबल से नीचे रखें।

जिम और टहलते समय परहेज : सुबह की सैर (मॉक) या जिम में वर्कआउट के दौरान हेडफोन या ईयरबड्स का इस्तेमाल करने से बचें।

समय सीमा तय करें : लगातार कई घंटों तक ईयरफोन का इस्तेमाल न करें, बीच-बीच में कानों को आराम दें।

Aligarh News: दहेज में तीन लाख रुपये न मिलने पर बैंक मैनेजर ने पत्नी को पीटा

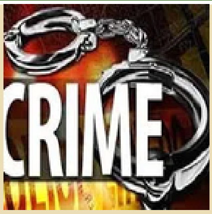

आगरा के एक निजी बैंक में डिप्टी मैनेजर पति पर पत्नी को पीटकर घर से निकालने का आरोप है। यह आरोप मकान खरीदने के लिए दहेज में तीन लाख रुपये न मिलने के कारण लगा है। आरोपियों ने पीड़िता की विधवा मां के चरित्र पर भी टिप्पणी की। देहलीगेट पुलिस ने आगरा के कश्यप नगर निवासी पति राहुल, सास प्रकाश देवी, जेठ सुनील और जेठानी सपना पर केस दर्ज किया है। महिला के पिता का निधन हो चुका था। शादी के कुछ दिन बाद पति और परिजन मायके से तीन लाख रुपये लाने का दबाव बनाने लगे। महिला ने मां की स्थिति का हवाला देकर रुपये लाने से इन्कार किया। विरोध करने पर पति ने उसे बेरहमी से पीटा और घर से बाहर कर दिया। सीओ संजीव कुमार के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है।

पीजी हादसा: तीन आरोपी गिरफ्तार, हरिराम और पत्नी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, बेटे को दो दिन की पुलिस कस्टडी

तीनों आरोपियों को जज के सामने पेश किया गया। हरिराम और उर्मिला गुप्ता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि उनके बेटे महेश गुप्ता को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 6 सितंबर को सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से सात लोगों की जान चली गई थी। दिल्ली के मोती बाग स्थित सत्य निकेतन में इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे में सात लोगों की जान चली गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में बिल्डिंग के मालिकों और लाभार्थियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 81 वर्षीय हरिराम गुप्ता, उनकी 75 वर्षीय पत्नी उर्मिला गुप्ता और 52 वर्षीय बेटा महेश गुप्ता शामिल हैं। तीनों आरोपियों को जज के सामने पेश किया गया। हरिराम और उर्मिला गुप्ता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि उनके बेटे महेश गुप्ता को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 6 सितंबर को सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से सात लोगों की जान चली गई थी।

जांच में हुए अहम खुलासे

पुलिस की शुरुआती जांच और पूछताछ में संपत्ति और उसके प्रबंधन को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। दस्तावेजों की जांच में पाया गया है कि यह संपत्ति कानूनी रूप से उर्मिला गुप्ता के नाम पर दर्ज है। वहीं पति हरिराम गुप्ता भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड सार्जेंट हैं। पत्नी के नाम पर संपत्ति होने के बावजूद, इमारत का पूरा प्रबंधन यही देख रहे थे। इमारत की दो मंजिलों के बिजली कनेक्शन भी हरिराम के नाम पर ही हैं। वहीं बेटा महेश भी इमारत के संचालन में पिता की मदद कर रहा था। महेश पेशे से हार्डवेयर और पेंट की दुकान चलाता है और उसके दो बच्चे हैं।

पीजी संचालक और ठेकेदार की तलाश तेज

बिल्डिंग मालिकों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस और प्रशासन के रडार पर पेइंग गेस्ट (पीजी) के संचालक और लेबर कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) हैं। पुलिस इनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस हादसे में इनकी भूमिका की भी गहनता से जांच की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा, सात की मौत

संबंधित एजेंसियों द्वारा मौके पर चलाया जा रहा रेस्क्यू ऑपरेशन अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है। मलबे से कुल 12 लोगों को बाहर निकाला गया था, जिनमें से सात लोगों की दुखद मौत हो गई। प्रशासन ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी मृतकों के शव उनके शोकाकुल परिजनों को सौंप दिए हैं।

राम मंदिर चंदा चोरी: बदली सारी व्यवस्था, गणनास्थल से बैंक तक कैमरों का पहरा; नकदी का हिसाब अब पूरी तरह डिजिटल

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद पूरी व्यवस्था बदल गई है। पहली बार सीईओ की नियुक्ति के साथ गणनास्थल से बैंक तक कैमरों का पहरा है। नकदी बैंक तक ले जाने का रिकॉर्ड दर्ज होगा। चढ़ावे के पैसों का हिसाब अब पूरी तरह डिजिटल है। राम मंदिर के चढ़ावे में सेंध ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्था का पूरा ढांचा बदल दिया। चार जून की घटना के बाद महज तीन महीने में ट्रस्ट ने व्यक्ति आधारित सिस्टम को पीछे कर तकनीक और संस्थागत निगरानी को केंद्र में ला दिया है।

पहली बार सीईओ की नियुक्ति हुई है, चढ़ावे की गिनती पर कैमरों का पहरा बढ़ा है और मंदिर से बैंक तक नकदी का पूरा सफर डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज होगा। ट्रस्ट का दावा है कि इन बदलावों के बाद राम मंदिर की व्यवस्था देश के बड़े धार्मिक ट्रस्टों में सबसे अधिक पारदर्शी होगी।

पहली बार सीईओ के हाथ में दैनिक प्रबंधन

राम मंदिर के इतिहास में पहली बार सीईओ की नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को सर्वसम्मति से ट्रस्ट का पहला सीईओ चुना गया है। अब तक मंदिर के निर्णय ट्रस्टियों के स्तर पर होते थे, लेकिन अब जिम्मेदारी सीईओ के पास होगी।

पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट में नई नियुक्तियां भी की गई हैं। महेश भागचंदका को कोषाध्यक्ष और गोविंद देव गिरि को महासचिव बनाया गया है।

- चढ़ावे की गणना में बड़ा बदलाव दान गिनने वाले कर्मचारियों के लिए जेब-रहित वर्दी अनिवार्य कर दी गई है, ताकि कोई नकदी बाहर न ले जा सके।
- गिनती केंद्र में एंट्री-एग्जिट पर तलाशी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी शुरू की गई है।
- पहले सीसीटीवी फुटेज 45 दिन रखी जाती थी, अब 180 दिन तक सुरक्षित रहेगी।
- साधारण कैमरों की जगह पीटीजेड कैमरे लगाए गए हैं जो घूमकर और जूम करके निगरानी कर सकेंगे।
- गणनास्थल की निगरानी के लिए 13 नए कैमरे और 27 अतिरिक्त एसआईएस के सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।

अब गिनती स्थल पर कुल 43 अधिकृत लोग ही रहेंगे।

पैसों का हिसाब अब पूरी तरह डिजिटल

अब पैसे का हिसाब सीए की निगरानी में और पूरी तरह डिजिटल रखा जाएगा, एक स्थायी सीए की नियुक्ति भी कर दी गई है। नए कोषाध्यक्ष ने भी सीए की नई टीम लगाई है। बैंक लेनदेन के लिए कोषाध्यक्ष महेश भागचंदका, मुख्य अभियंता जगदीश आफले और सीए चंदन राय के संयुक्त हस्ताक्षर जरूरी होंगे। एसबीआई ने 36 कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की जगह गणना के लिए बैंक के कर्मियों की नियुक्ति की है। अब मंदिर से बैंक तक नकदी एसबीआई के वाहन में ही ले जाई जा रही है। दान काउंटर से बैंक तक नकदी पहुंचाने के हर चरण की वीडियोग्राफी कराई जाती है।

सितंबर के अंत तक आएगी एसआईटी की रिपोर्ट

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में गठित नई एसआईटी ने जांच तेज कर दी है। जेल में बंद आरोपियों से मिले नए नामों का सत्यापन भी तेज कर दिया गया है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एसआईटी सितंबर के अंत तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में शासन और सुप्रीम कोर्ट को सौंप देगी।

'मरना पसंद करूंगा, डरपोक नहीं हूं': फांसी की 23 सजा सुनाई, जज ने क्यों कही ये बात;

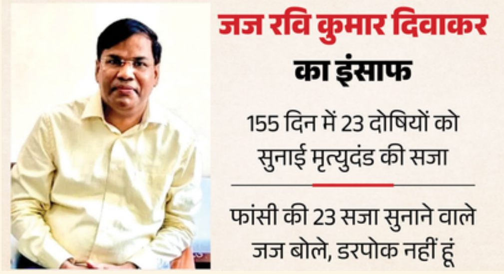

मुजफ्फरनगर फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने 155 दिन में 23 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। फांसी की 23 सजा सुनाने वाले जज बोले, डरपोक नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता ने भगवान के सिवा किसी अन्य से नहीं डरने की शिक्षा दी है।मुजफ्फरनगर में पिछले पांच महीने में 10 चर्चित प्रकरणों में 23 दोषियों को फांसी की सजा सुना चुके अपर जिला एवं सत्र न्यायालय रवि कुमार दिवाकर ने कहा कि पश्चिम यूपी के माफिया-गैंगस्टरों ने उनसे संपर्क कर संदेश भिजवाया है कि उनके पीछे पड़ा तो वे कोर्ट बदलवा देंगे या जिले से बाहर ट्रांसफर करवा देंगे। जज दिवाकर ने कहा, मैं मरना पसंद करूंगा, डरपोक जज कहलाना नहीं।मुजफ्फरनगर के कस्बा शाहपुर में आठ साल पहले घरेलू विवाद में जिंदा जलाई गई शहजादी (23) के शौहर को फांसी की सजा सुनाते हुए जज दिवाकर ने अपने ऊपर उठ रहे सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने फैसले में लिखा, मेरे माता-पिता ने भगवान के सिवा किसी अन्य से नहीं डरने की शिक्षा दी है। यदि न्यायाधीश बाहुबलियों, माफिया या अपराधियों के दबाव में काम करने लगे तो जनता का न्यायपालिका पर भरोसा कमजोर होगा। यदि मैं ऐसी शक्तियों से भयभीत हो जाऊंगा तो मेरे लिए न्यायिक संस्था से इस्तीफा देना ही उचित होगा।फैसले में जज दिवाकर ने लिखा, मुझे संदेश भिजवाया गया है कि अभी मेरे पास से सिर्फ पत्रावलियां हटवाई गई हैं, यदि मैं उनके पीछे पड़ा या टिप्पणी की तो प्रभाव का इस्तेमाल कर कोर्ट बदलवा दिया जाएगा या बाहर ट्रांसफर करा दिया जाएगा।

गवाह मुकरे तो मृत्यु पूर्व बयान को पर्याप्त माना

जज दिवाकर ने शहजादी को जिंदा जलाने के मामले में शौहर नदीम को फांसी की सजा सुनाई। उन्होंने वादी के पिता समेत अन्य गवाहों के पक्षद्रोही हो जाने के बावजूद मजिस्ट्रेट को मृत्यु पूर्व दिए गए बयान के आधार पर यह सजा सुनाई। उन्होंने फैसले में लिखा, अबला नारी को जिंदा जलाने वाला सहानुभूति का हकदार नहीं है।

जज दिवाकर का इंसाफ...155 दिन में 23 दोषियों को मृत्युदंड

मुजफ्फरनगर फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने छह अप्रैल से सात सितंबर तक 155 दिन में 10 मामलों में 23 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। मुजफ्फरनगर में न्यायालय की स्थापना के 70 साल में यह रिकॉर्ड है।12 अप्रैल 1956 को मेरठ से विभाजन कर जिले में अस्थायी न्यायालय शुरू हुआ। बाद में 14 जुलाई 1958 को स्थायी तौर पर काम शुरू किया गया। इसी साल छह अप्रैल से सात सितंबर तक 155 दिन में फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या तीन के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने न्याय का नया अध्याय जोड़ दिया। 10 मामलों में अब तक 2 लोगों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है।

इन मामलों में सुनाया फैसला

एडवोकेट समीर सैफी हत्याकांड (06 अप्रैल 2026) 15 अक्तूबर 2019 को 40 लाख रुपये के लेन-देन के विवाद में अधिवक्ता समीर सैफी की हत्या कर दी गई थी। अदालत ने सिंगोल अल्वी, सोनू उर्फ रिजवान और शालू उर्फ अरबाज को मृत्युदंड सुनाया।

शेखर हत्याकांड (28 अप्रैल 2026)

भौराकलां थाना क्षेत्र के सिसौली निवासी शेखर की वर्ष 2019 में 70 हजार रुपये के लेन-देन के विवाद में पास के गांव खेड़ी सूंडियान में हत्या कर दी गई थी। अदालत ने दोषी मुकेश, उसके बेटे प्रदीप, संदीप और सोनू को मृत्युदंड सुनाया।

राजेश देवी-हिमांशु हत्याकांड (30 मई 2026)

छपार के सलेमपुर गांव निवासी सुरेश की पत्नी राजेश देवी अपने छह वर्षीय बेटे हिमांशु के साथ नवंबर 2011 को घर से निकली थीं। चरथावल में दोनों की लाश मिली हत्या के मामले में अदालत ने दोषी रईस को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

राजेंद्र सैनी हत्याकांड (20 जून 2026)

ककरौली निवासी राजेंद्र सैनी की वर्ष 2018 में हत्या कर शव को जलाने के मामले में अदालत ने रामकरण उर्फ सावन गिरी और गीलू को मृत्युदंड सुनाया। मामले के एक आरोपी वीरसैन की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी थी।

होमगार्ड रतिराम हत्याकांड (02 जुलाई 2026)

शहर कोतवाली के बुढ़ाना मोड़ पर वर्ष 2020 में गश्त के दौरान होमगार्ड रतिराम की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में केस दर्ज हुआ। इसके बाद अदालत ने दोषी दीपक को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

यूपी का मौसम: रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी,
आज भी बूंदाबांदी की संभावना; जानें ताजा अपडेट

यूपी में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज भी बूंदाबांदी की संभावना जताई है। राजधानी लखनऊ में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। हालांकि, मंगलवार को सुबह से ही आसमान साफ दिखा। कई दिनों बाद ऐसा हुआ जब सुबह से हल्की धूप देखने को मिली। लेकिन, मौसम विभाग ने बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इससे पहले सोमवार तड़के अच्छी बारिश देखने को मिली। इसके बाद दोपहर में तेज धूप खिली और उमस भरी गर्मी महसूस की गई। शाम तक फिर से बादलों की सक्रियता बढ़ी। तेज हवाओं से मौसम में नरमी आई। देर शाम एक बार फिर बारिश शुरू हो गई। देर रात तक बूंदाबांदी का दौर चला। बीते 24 घंटे में लखनऊ में 35.6 मिमी बारिश हुई।

उमस और गर्मी में इजाफा होगा

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को भी बूंदाबांदी की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दो दिन के बाद उमस और गर्मी में इजाफा होगा। सोमवार को अधिकतम तापमान 0.9 डिग्री की गिरावट के साथ 31.6 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की गिरावट के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जम्मू-कश्मीर: राज्य का दर्जा बहाली पर केंद्र से लगातार बातचीत,
सीएम उमर बोले- अमित शाह के संपर्क में हूं

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह राज्य का दर्जा बहाल करने समेत जम्मू-कश्मीर और केंद्र के बीच लंबित मुद्दों पर गृह मंत्री अमित शाह के लगातार संपर्क में हैं। इंटर्न डॉक्टरों की हड़ताल पर उन्होंने जल्द समाधान की उम्मीद जताई और कहा कि लंबे आंदोलन से स्वास्थ्य सेवाओं और छात्रों की इंटर्नशिप दोनों प्रभावित हो रही हैं।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार संपर्क में हैं। जम्मू-कश्मीर और केंद्र के बीच कई अहम मुद्दे अभी लंबित हैं, जिन पर लगातार बातचीत चल रही है। इनमें जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करना भी शामिल है। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि राज्य का दर्जा बहाल करने के अलावा बिजनेस रूल्स की मंजूरी, करीब दो साल से लंबित एडवोकेट जनरल की नियुक्ति और आरक्षण संबंधी रिपोर्ट जैसे मुद्दे भी केंद्र के समक्ष लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी मामलों पर चर्चा की जा रही है।मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में पहली बार आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का भी स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय फिल्मकारों और जनसंचार के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय फिल्मों से सीखने का मौका मिलेगा। साथ ही, यह फिल्म निर्माताओं को यह याद दिलाने का प्रयास है कि विदेशी लोकेशन का रुख करने से पहले कश्मीर देश का प्रमुख शूटिंग डेस्टिनेशन हुआ करता था।मेडिकल इंटर्न डॉक्टरों की हड़ताल पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मामला इतने लंबे समय तक नहीं खिंचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को इस पर फैसला लेना है और स्वास्थ्य मंत्री सकीना इत्तू प्रदर्शन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों के संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि यह मुद्दा जल्द सुलझे, क्योंकि लंबे समय से चल रहे आंदोलन से स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ इंटर्न डॉक्टरों की ट्रेनिंग भी प्रभावित हो रही है।

पीजी हादसा: तीन आरोपी गिरफ्तार,
हरिराम और पत्नी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, बेटे को दो दिन की पुलिस कस्टडी

तीनों आरोपियों को जज के सामने पेश किया गया। हरिराम और उर्मिला गुप्ता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि उनके बेटे महेश गुप्ता को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 6 सितंबर को सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से सात लोगों की जान चली गई थी।दिल्ली के मोती बाग स्थित सत्य निकेतन में इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे में सात लोगों की जान चली गई।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में बिल्डिंग के मालिकों और लाभार्थियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 81 वर्षीय हरिराम गुप्ता, उनकी 75 वर्षीय पत्नी उर्मिला गुप्ता और 52 वर्षीय बेटा महेश गुप्ता शामिल हैं।तीनों आरोपियों को जज के सामने पेश किया गया। हरिराम और उर्मिला गुप्ता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि उनके बेटे महेश गुप्ता को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। 6 सितंबर को सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से सात लोगों की जान चली गई थी।

जांच में हुए अहम खुलासे

पुलिस की शुरुआती जांच और पूछताछ में संपत्ति और उसके प्रबंधन को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। दस्तावेजों की जांच में पाया गया है कि यह संपत्ति कानूनी रूप से उर्मिला गुप्ता के नाम पर दर्ज है। वहीं पति हरिराम गुप्ता भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड सार्जेंट हैं। पत्नी के नाम पर संपत्ति होने के बावजूद, इमारत का पूरा प्रबंधन यही देख रहे थे। इमारत की दो मंजिलों के बिजली कनेक्शन भी हरिराम के नाम पर ही हैं। वहीं बेटा महेश भी इमारत के संचालन में पिता की मदद कर रहा था। महेश पेशे से हार्डवेयर और पेंट की दुकान चलाता है और उसके दो बच्चे हैं।

पीजी संचालक और ठेकेदार की तलाश तेज

बिल्डिंग मालिकों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस और प्रशासन के रडार पर पेइंग गेस्ट (पीजी) के संचालक और लेबर कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) हैं। पुलिस इनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस हादसे में इनकी भूमिका की भी गहनता से जांच की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जम्मू: कठुआ-उधमपुर रेंज में 21 जगहों की सुरक्षा
का जिम्मा सीआरपीएफ के हवाले, कोबरा की नौ टीमें भी होंगी तैनात

जम्मू संभाग में घने जंगल वाले जिलों में आतंकी गतिविधियां बढ़ने के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कठुआ-उधमपुर रेंज के 21 संवेदनशील और प्रमुख स्थानों की सुरक्षा का जिम्मा अब सेना की जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को सौंप दिया गया है।जम्मू संभाग में घने जंगल वाले जिलों में आतंकी गतिविधियां बढ़ने के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कठुआ-उधमपुर रेंज के 21 संवेदनशील और प्रमुख स्थानों की सुरक्षा का जिम्मा अब सेना की जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को सौंप दिया गया है। इसके अतिरिक्त, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में अभियान की मारक क्षमता को और मजबूत करने के लिए कोबरा की नौ विशेष टीमें भी तैनात की जाएंगी। ये एक अहम रणनीतिक बदलाव है। कठुआ और उधमपुर के पहाड़ी एवं घने जंगलों से घिरे इलाकों में पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी आतंकी गतिविधियां सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती बनी हैं।

उधमपुर के डुडू-बसंतगढ़ से लेकर कठुआ के बिलावर और मच्छेड़ी सेक्टर तक हाल के दिनों में कई मुठभेड़ें हुई हैं। आतंकी मारे गए हैं लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इन क्षेत्रों में अभियान चलाना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। इस चुनौती से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अब इन इलाकों में सीआरपीएफ की तैनाती की जा रही है।प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से उठाए गए इस कदम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा बलों की भूमिका को अधिक प्रभावी और संतुलित बनाना है। ऐसे में अब सीआरपीएफ स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की निगरानी करने और नियमित सुरक्षा जांच का काम देखेगी। इस फेरबदल से भारतीय सेना को स्थानीय सुरक्षा दायित्वों से राहत मिलेगी। सेना अब मुख्य रूप से सीमा सुरक्षा, नियंत्रण रेखा की निगरानी और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकेगी।पिछले साल बल मुख्यालय की ओर से जारी दिशा निर्देशों में कहा गया था कि ऐसे कार्मिक, जिनका तबादला, उक्त बटालियनों में हुआ है, उन्हें संबंधित यूनिटों से बिना किसी देरी के रिलीव कर दिया जाए। लंबे समय से आतंकियों के खिलाफ अभियानों में शामिल रहे आर्मी, आईबी एवं पुलिस के अधिकारियों की ओर से सीआरपीएफ की उक्त बटालियनों के जवानों एवं अफसरों को प्री इंडक्शन ट्रेनिंग दी गई है।

एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाने पर विवाद: बीएपीएस ने जताया खेद, कहा- किसी को अंदर जाने से नहीं रोका

पेरिस के मशहूर एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को लेकर उठे विवाद के बीच बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था बीएपीएस से जुड़े हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल ने आज अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि दौरे के दौरान किसी भी व्यक्ति को एफिल टावर में प्रवेश करने से नहीं रोका गया था। एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाए जाने के विवाद के बीच बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने आज सफाई देते हुए कहा है कि उसके प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान किसी को भी स्मारक में प्रवेश से नहीं रोका गया था। बीएपीएस ने कहा कि बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखते हुए दौरा एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय कर सुबह के शुरुआती समय में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम परेशानी हो। हालांकि, संगठन ने स्थिति से किसी को हुई तकलीफ के लिए दिल से माफी मांगी और आपसी सम्मान व सेवा के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने के आरोपों के बाद एफिल टावर के कर्मचारियों ने विरोध किया, प्रबंधन से माफी और जांच की मांग की तथा पेरिस के मेयर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। बड़े प्रतिनिधिमंडल की वजह से खास व्यवस्था

बीएपीएस के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल की संख्या काफी ज्यादा थी। इसी वजह से एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय करके यह दौरा आम लोगों के लिए स्मारक खुलने के समय के शुरुआती हिस्से में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो और उनकी आवाजाही प्रभावित न हो। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उसकी जानकारी के अनुसार, दौरे के दौरान किसी भी समय किसी को एफिल टावर में जाने से नहीं रोका गया। हालांकि, उसने यह भी कहा कि अगर इस पूरी स्थिति से किसी को किसी तरह की परेशानी या तकलीफ हुई है तो वह उसके लिए दिल से माफी मांगता है।

महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोप से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, सोमवार को पेरिस का एफिल टावर कुछ समय के लिए बंद रहा। कर्मचारियों ने एक बैठक और विरोध प्रदर्शन किया था। यह विरोध शनिवार को हुए एक दौरे से जुड़ा था, जिसमें करीब 100 लोगों का हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल एफिल टावर पहुंचा था। आरोप लगाया गया कि प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान कुछ महिला कर्मचारियों को उनकी काम की जगह से हटने के लिए कहा गया और उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। इस घटना ने कर्मचारियों के बीच नाराजगी पैदा कर दी।

बीएपीएस से जुड़ा था प्रतिनिधिमंडल

शनिवार को एफिल टावर पहुंचा यह प्रतिनिधिमंडल बीएपीएस से जुड़ा हुआ था। यह समूह पेरिस के पास बने एक बड़े हिंदू मंदिर के उद्घाटन से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए फ्रांस आया था। यूनियन प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल के गुजरने के दौरान महिला कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी की जगह छोड़ने के लिए कहा गया। उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किए जाने पर यूनियन ने सवाल उठाए और इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई। यूनियन प्रतिनिधि डायने डावोइन ने कहा कि इस घटना को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा धीरे-धीरे बढ़ा और ऐसी स्थिति दोबारा नहीं होनी चाहिए, जिसमें महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए।

कर्मचारियों की बैठक के बाद एफिल टावर खुलने में हुई देरी

सोमवार सुबह कर्मचारियों ने बैठक की। इसका उद्देश्य प्रबंधन के साथ इस मामले पर चर्चा करना और आगे ऐसी स्थिति न बनने की गारंटी हासिल करना था। कर्मचारियों की मांग थी कि भविष्य में किसी महिला कर्मचारी को केवल उसके जेंडर के आधार पर उसकी जिम्मेदारी या काम की जगह से पीछे न किया जाए। बैठक के चलते एफिल टावर को आम लोगों के लिए खोलने में देरी हुई। स्मारक पर एक नोटिस भी लगाया गया, जिसमें बताया गया कि संचालन संबंधी कारणों से एफिल टावर निर्धारित समय पर नहीं खुल पाएगा। यूनियन के मुताबिक, प्रबंधन ने इस घटना को लेकर कर्मचारियों से माफी मांगी है। हालांकि, कर्मचारियों का कहना है कि केवल माफी पर्याप्त नहीं है और पूरे मामले की विस्तृत जांच होनी चाहिए।

सेटे ने माना, ऐसी शर्तें स्वीकार नहीं की जानी चाहिए थीं

एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी सेटे ने भी विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने माना कि प्रतिनिधिमंडल की ओर से महिला कर्मचारियों के साथ संपर्क कम रखने की मांग की गई थी। सेटे ने कहा कि इस तरह की शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था।

पेरिस के मेयर ने दिए जांच के आदेश

पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोयर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों को जल्द से जल्द सामने लाया जाना जरूरी है। इस घटना को लेकर कर्मचारियों के बीच काफी नाराजगी है और इसी वजह से मामले की जांच को अहम माना जा रहा है।

बीएपीएस मंदिर के उद्घाटन के बाद सामने आया विवाद

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब पेरिस के पास बीएपीएस के एक बड़े हिंदू मंदिर का उद्घाटन हुआ है। रविवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्चुअली शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक संबंधों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर भारत के प्राचीन विचारों और मानवीय मूल्यों को फ्रांस तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

'सम्मान और सेवा के मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध'

अपने आज के बयान में बीएपीएस ने कहा कि वह उठाई गई सभी चिंताओं का सम्मान करता है और उन्हें गंभीरता से लेता है। संगठन ने दोहराया कि प्रतिनिधिमंडल का दौरा एफिल टावर की टीम के साथ मिलकर तय किया गया था और इसका उद्देश्य अन्य पर्यटकों को कम से कम परेशानी पहुंचाना था। बीएपीएस ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, किसी भी समय किसी को भी एफिल टॉवर में जाने से नहीं रोका गया। फिर भी, हम उन सभी लोगों से दिल से माफी मांगना चाहते हैं जिन्हें इस स्थिति से कोई दुख या परेशानी हुई हो। संगठन ने कहा कि वह आपसी सम्मान और दूसरों की सेवा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

समुद्र में अमेरिका का कहर: इक्वाडोर का पांचवां जहाज डुबोया, 227 मौतों ने बढ़ाई चिंता; क्या है पूरा मामला

अमेरिका ने प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक और जहाज को डुबो दिया है। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज लॉस चोनेरोस से जुड़ा था और समुद्र में ड्रग तस्करी के लिए ईंधन की मदद देता था। यह दो हफ्ते से कम समय में पांचवां निशाना है। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों पर उनकी कानूनी वैधता और असर को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोमवार को प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक जहाज को डुबो दिया। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज अपराधी संगठन लॉस चोनेरोस से जुड़ा था। अमेरिकी कमान के मुताबिक, यह एक तैरता हुआ ईंधन केंद्र था। इसका इस्तेमाल समुद्र में नशीली दवाओं की तस्करी के अभियानों को मदद देने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हुई। जहाज पर मौजूद लोगों को पहले उतार लिया गया। अब उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

अमेरिका ने कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया?

अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। इसमें अमेरिकी सैन्यकर्मी एक जहाज पर चढ़ते दिख रहे हैं। इसके बाद ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ता नजर आता है। आखिर में एक प्रक्षेपास्त्र जहाज से टकराता है और वह समुद्र में डूब जाता है। अमेरिकी कमान ने कहा कि उसकी सेनाएं पश्चिमी गोलार्ध में नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान जारी रखे हुए हैं।

क्या पहली बार हुई ऐसी कार्रवाई?

नहीं। यह दो हफ्ते से भी कम समय में अमेरिकी सेनाओं का पांचवां निशाना है। इससे पहले प्रशांत महासागर में मछली पकड़ने वाले जहाज मारिया कैंडेलारिया को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने इस जहाज के 26 सदस्यों को खोज लिया। वे रविवार को बंदरगाह शहर मांटा पहुंचे। कॉन्क्विस्टा-2 के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। हालांकि, उनके परिवार देश की मुख्य भूमि पर उनकी जानकारी को लेकर चिंता जताते रहे।

मामले से जुड़ी बड़ी बातें

- **मारिया कैंडेलारिया**: पिछले सप्ताह प्रशांत महासागर में इस जहाज को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने बाद में इसके 26 सदस्यों को खोज लिया।
- **कॉन्क्विस्टा-2**: इस जहाज के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। उनके परिवार उनके ठिकाने की जानकारी मांग रहे थे।
- **ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस**: इन दोनों जहाजों के चालक दल का कहना है कि अमेरिकी कार्रवाई में उनके जहाज डुबो दिए गए।
- **तैरते ईंधन केंद्र**: अमेरिकी कमान ने ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस को कई जहाजों को अवैध ड्रग तस्करी में मदद देने वाले तैरते ईंधन केंद्र बताया है।

लॉस चोनेरोस कनेक्शन: अमेरिका का कहना है कि निशाना बनाए गए सभी जहाज लॉस चोनेरोस से जुड़े थे। अमेरिका इस संगठन को विदेशी आतंकवादी संगठन मानता है।

- **पुराने मामलों का विवाद**: इस साल तीन अन्य जहाजों के इक्वाडोरियन चालक दल भी अमेरिकी सेनाओं द्वारा रोके जाने की बात कह चुके हैं। इनमें फियोरेला भी शामिल है, जिसके आठ मछुआरे जनवरी से लापता हैं।

क्या अमेरिका के दावे पर भी उठे सवाल?

इन समुद्री हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं। कम से कम एक मामले में इक्वाडोर के अधिकारियों ने कहा था कि हमले में बचे एक व्यक्ति के किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का उनके पास कोई सबूत नहीं था। इस बीच, इक्वाडोर के अधिकारियों ने नए डूबे जहाज की कार्रवाई पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। जहाज का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

जमीन पर भी ऐसी कार्रवाई करने की तैयारी में अमेरिका?

ट्रंप प्रशासन सहयोगी देशों के साथ ऐसे समझौते करने की कोशिश कर रहा है, जिससे अभियान को कई लैटिन अमेरिकी देशों की जमीन तक बढ़ाया जा सके। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा यात्रा के दौरान कहा था कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अपनी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त अमेरिकी सैन्य अभियान की अनुमति देने पर सहमति जताई है। हालांकि, ग्वाटेमाला ने ऐसा कोई समझौता होने से इनकार किया है। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के संयुक्त अभियान शुरू किए थे।

आपबीती: टीवी एंकर चेंग लेई ने तीन साल जेल में गुजारा अमानवीय जीवन, अब पूरी दुनिया को कर रहीं आगाह?

तीन साल की कैद ने चेंग लेई की जिंदगी बदल दी। लेकिन जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने चुप रहने के बजाय अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचाने का फैसला किया।चीन में गिरफ्तारी, 14 घंटे तक एक जगह बैठाने और बच्चों से दूर रहने का दर्द आज भी उनके साथ है। अब नाटक और किताब के जरिये वह अपने अनुभव बता रही हैं। पढ़िए रिपोर्ट

चीन दुनियाभर में अपनी सौम्य और अच्छी छवि दिखाने की कोशिश करता है लेकिन लोगों को उसके दिखावटी चेहरे पर भरोसा करने के बजाय हकीकत की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए। चीन ऐसा देश है जो अपने नागरिकों और विदेश में रहने वाले प्रवासियों को दुश्मन के तौर पर देखता है। यह कहना है चीनी-ऑस्ट्रेलियाई एंकर चेंग लेई का, जिन्हें महज एक मैसेज भेजने के कारण तीन साल चीन की जेल में बिताने पड़े थे। चीन में जन्मीं और ऑस्ट्रेलिया में पली बढ़ी चेंग लेई को बिना किसी ठोस कारण 1,154 दिन तक जेल में अमानवीय यातनाएं सहनी पड़े। चेंग लेई को अक्तूबर 2023 में चीन की जेल से रिहा किया गया था और अब वह ऑस्ट्रेलिया में बतौर एंकर काम कर रही हैं। लेकिन जेल से बाहर आने का मतलब यह नहीं है कि उनका संघर्ष खत्म हो गया है। उनका मानना है कि कैद का असर उनके जीवन पर हमेशा रहेगा और एक तरह से यह सजा रिहाई के बाद भी जारी है। तमाम मानसिक आघातों के बावजूद, लेई अब स्कूबा डाइविंग, कॉमेडी और थिएटर के जरिये जिंदगी को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही हैं। जेल में बताए अपने अनुभवों के आधार पर वह चीन की सच्चाई पर पूरी दुनिया को आगाह कर रही हैं।

गिरफ्तारी से पहले शानदार था करिअर

चेंग लेई ने करीब दो दशक तक चीन के आर्थिक विकास और उसकी बढ़ती ताकत को दुनिया के सामने एक रिपोर्टर के रूप में पेश करती रही हैं। चीन में वह सरकारी ब्रॉडकास्टर सीजीटीएन के लिए काम करती थीं। 13 अगस्त 2020 को अचानक उन्हें काम के बहाने बुलाया गया और सरकारी जानकारी विदेश में साझा करने के झूठे आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। चेंग लेई पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने ब्लूमबर्ग में काम करने वाले एक दोस्त को आठ शब्दों का एक टेक्स्ट मैसेज भेजा था, जिसमें जीडीपी और नौकरियों के लक्ष्यों का जिक्र था। आरोप था कि उन्होंने तय समय से पहले जानकारी लीक की।

14 घंटे तक बिना हिले-डुले बैठाया

गिरफ्तारी के बाद छह महीनों तक उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा गया। लगातार 14 घंटे बिना हिले-डुले बैठने को मजबूर किया जाता था, रोशनी 24 घंटे जली रहती थी और दो गार्ड हमेशा उनकी निगरानी करने के लिए तैनात रहते थे।

बच्चों से दूरी की असहनीय पीड़ा

बच्चे गिरफ्तारी के समय बहुत छोटे थे जो मेलबर्न में अपनी दादी के साथ रहे। वह कहती हैं, मुझे गुस्सा आता है कि अगर मुझे उठाया न गया होता, तो बच्चे आज जैसे हैं, उससे अलग होते। चेंग लेई ने नाटक 1154 डेज में अभिनय कर गलत तरीके से हिरासत में लिए गए अन्य लोगों की मदद के लिए आवाज उठाती हैं। वह किताब ए मेमॉयर ऑफ फ्रीडम से भी चीन को बेनकाब कर रही हैं जो अगले माह चीनी भाषा मंदारिन में प्रकाशित होगी।

नेपाल जलप्रलय: 65 स्कूल कल से खुलेंगे, बच्चों को सदमे से निकालने की कोशिश; देश में 13वें दिन शोक

नेपाल की जलप्रलय के बाद बच्चों के मन में डर अब भी बना हुआ है, वहीं बचाव अभियान में जुटे विशेषज्ञ इसे सिलक्यारा से भी चुनौतीपूर्ण बता रहे हैं। उधर, बाढ़ का असर भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी दिख रहा है, जहां जापानी इंसेफेलाइटिस का खतरा बढ़ने की आशंका है। आखिर बच्चों से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, आपदा के बाद कौन-कौन सी नई चुनौतियां सामने आई हैं? नेपाल में जल प्रलय के दो हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन नुवाकोट, रसुवा और आसपास के जिलों में जिन बच्चों ने बाढ़ का तांडव देखा या अपनों को खोया, वे एक अदृश्य डर से जूझ रहे हैं। कोई आधी रात को चौंककर उठ जाता है, कोई गुमसुम हो जाता है, तो कोई आपदा की याद दिलाने वाली किसी भी आवाज से सहम जाता है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने की कवायद के बीच इन बच्चों को सदमें से बाहर लाने की कोशिशें भी जारी हैं। मेडिकल टीमें मानसिक सेहत सुधारने के लिए काउंसलिंग भी करा रही है। नुवाकोट के बिधुर में प्रशासन बुधवार से 65 स्कूलों को खोलने की तैयारी भी कर रहा है। बाढ़ से पहले बिदुर में कुल 79 स्कूल चल रहे थे। बिदुर की डिप्टी मेयर प्रभा बोगटी ने कहा, स्कूल इस बात का बंदोबस्त करेंगे कि वे आसानी से अपनी कक्षाओं में शामिल हो सकें। इस बीच, आपदा के 13वें दिन नेपाल में राष्ट्रीय शोक मनाया गया। इस दौरान राष्ट्र ध्वज को आधा झुका दिया गया और दीये और मोमबत्तियां जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

चुनौतीपूर्ण, अर्नोल्ड को याद आया सिलक्यारा

2023 में भारत में सुरंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स चिलिमे जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। उन्होंने कहा, नेपाल का अभियान सिलक्यारा से अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यहां एक साथ कई स्थानों पर बचाव कार्य चल रहा है।

1,380 लोगों की गई जान
5,500 से अधिक लापता
121 के सुरंगों में फंसे होने की आशंका

भारत के सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस का खतरा

महराजगंज, कुशीनगर समेत कई सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात के कारण मादा क्यूलेक्स मच्छर के पनपने और अंडों को सुरक्षित रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। नेपाल आपदा ने भारत के पूर्वी सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए जमीन तैयार कर दी है। अगर निवारक उपायों की दिशा में मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो लोगों को दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आपदा से महराजगंज और कुशीनगर समेत कई इलाकों में महीनों दल-दल बने रहने की संभावना है। प्रभावित क्षेत्रों में अब हाईग्रेड फीवर के मरीज भी लगातार बढ़ रहे हैं जिसे जापानी इंसेफेलाइटिस का संकेत माना जाता है। ऐसे में ग्रामीणों ने गहरी चिंता जताई है। महराजगंज के सेहगीबर्वा निवासी रामधारी निशाद, कुशीनगर के तमकोही राज निवासी लोकेश और पीपरी घाट निवासी उज्वल सिंह कहते हैं बाढ़ का दूषित पानी गांव के किनारे तक पानी पहुंच गया है। लोग बीमार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग को बुखार की चपेट में आने वालों की जापानी इंसेफेलाइटिस की जांच करनी चाहिए।

अर्थ जगत की सुर्खियां: मारुति 20 हजार तक बढ़ाएगा दाम; ग्रामीण क्षेत्रों में भी 25 दिन में एलपीजी बुकिंग

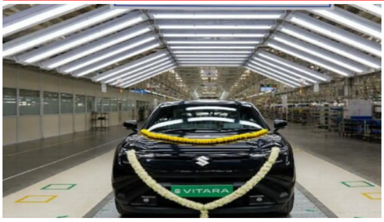

मारुति सुजुकी इंडिया ने बढ़ती लागत का हवाला देते हुए कारों के चुनिंदा मॉडलों के दाम 20,000 रुपये तक बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा, बढ़ी कीमतें इसी माह से लागू होंगी। यह मई के बाद से कीमतों में तीसरी वृद्धि है। तब से कंपनी 80,000 रुपये तक दाम बढ़ा चुकी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी 25 दिन में एलपीजी बुकिंग

केंद्र ने शहरों की तरह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी एलपीजी बुकिंग की समयसीमा 45 दिन से घटाकर 25 दिन कर दी है। यह निर्णय एलपीजी रिफिल के लंबित मामलों में आ रही कमी को देखते हुए लिया गया है। तेल विपणन कंपनियों को इस फैसले को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

किसानों के पास पारंपरिक फसलों का विकल्प: कभी डॉग फ्रूट रहे एवोकाडो की देश में बढ़ी मांग, आयात 15 हजार टन

कभी डॉग फ्रूट रहे एवोकाडो की भारत में मांग बढ़ रही है। आयात 15 हजार टन पहुंच गया है।किसान पारंपरिक फसलों के विकल्प के तौर पर एवोकाडो की खेती अपना रहे हैं। कभी भारत में पेड़ों पर पककर गिर जाने वाला एवोकाडो कुत्तों के खाने के काम आता था, इसलिए इसे डॉग फ्रूट तक कहा जाता था। अब यही फल तेजी से भारतीय बाजार में लोकप्रिय होकर पसंदीदा फल के रूप में जगह बना रहा है। बढ़ती मांग के बीच किसान इसकी व्यावसायिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं रेस्तरां और खाद्य कारोबार भी स्थानीय उत्पादन बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल करीब 15 हजार टन एवोकाडो का आयात होता है, जबकि उत्पादन सिर्फ 8 से 9 हजार टन के आसपास है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर में किसानों के लिए कारोबार का बड़ा अवसर मौजूद है। खासकर कॉफी और काली मिर्च जैसी पारंपरिक फसलों पर जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ने के कारण फसल विविधीकरण जरूरी हो गया है।

पोषण से भरपूर फल

एवोकाडो में स्वस्थ वसा, फाइबर, पोटैशियम और फोलेट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें विटामिन ई, के, सी और बी-समूह के कुछ विटामिन भी होते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसमें मौजूद वसा मुख्यतः मोनोअनसैचुरेटेड फैट होती है। यही पोषण गुण इसे सलाद, सैंडविच और अन्य व्यंजनों में लोकप्रिय बना रहे हैं।

देसी के मुकाबले विदेशी किस्मों की मांग

मुंबई के रेस्तरां भी एवोकाडो की बढ़ती मांग का संकेत दे रहे हैं। हंगर इंक हॉस्पिटैलिटी के कार्यकारी शेफ हुसैन शहजाद के मुताबिक, भारतीय एवोकाडो की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, लेकिन मौसम और क्षेत्र के अनुसार आकार, स्वाद, बनावट और पकने की स्थिति में काफी अंतर रहता है। इसलिए फिलहाल उनके रेस्तरां आयातित एवोकाडो को प्राथमिकता देते हैं। भारत में हॅस और पिंकर्टन जैसी विदेशी किस्मों की पौध की मांग भी बढ़ रही है। भोपाल स्थित इंडो-इस्राइल एवोकाडो नर्सरी के संस्थापक हर्षित गोदहा के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में वह देशभर के किसानों को करीब 18 हजार पौधे दे चुके हैं। आसान नहीं व्यावसायिक खेती : एवोकाडो की व्यावसायिक खेती आसान नहीं है। बीज से तैयार पेड़ के बजाय स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल जड़ वाले पौधे पर मनचाही किस्म की शाखा जोड़कर पौध तैयार करनी होती है। पेड़ों की नियमित छंटाई जरूरी है, क्योंकि वे छह-सात साल में करीब 25 फुट तक ऊंचे हो सकते हैं। साथ ही, बेहतर फलन के लिए अलग-अलग किस्मों का सही अनुपात में रोपण और उचित परागण जरूरी है। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलूरू ने स्थानीय पेड़ों के आधार पर दो किस्में विकसित की हैं। अधिक उत्पादन देने वाली और गुणवत्तापूर्ण पौध ही देश में भरोसेमंद एवोकाडो बाजार तैयार कर सकती है।केरल के वायनाड स्थित कॉटनाड प्लांटेशन में एवोकाडो पहले मुख्य फसल के रूप में नहीं लगाया जाता था। कॉफी के पेड़ों को छाया देने के लिए इसे लगाया गया था। लेकिन करीब 15 साल पहले इसकी मांग बढ़ने लगी।

कंपनी के समूह प्रबंधक मधु बोपैया के मुताबिक, वर्ष 2011 के आसपास बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने त्वचा की देखभाल में एवोकाडो के इस्तेमाल का उल्लेख किया, जिसके बाद इसकी कीमतों में तेजी आई।

20 साल का सफर और 11 देशों का दम: क्या दिल्ली में हो रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन बदल देगा वैश्विक व्यापार का खाका?

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12-13 सितंबर 2026 को होने जा रहे ऐतिहासिक 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का संपूर्ण विश्लेषण पढ़ें। जानिए कैसे 11 देशों का यह विस्तारित ब्लॉक वैश्विक व्यापार, राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग और एआई नीति को प्रभावित करेगा। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें पूरी रिपोर्ट।वैश्विक कूटनीति और व्यापार के लिहाज से सितंबर का महीना भारत के लिए ऐतिहासिक होने जा रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 और 13 सितंबर 2026 को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मना रहा यह संगठन पहली बार अपने विस्तारित नए स्वरूप में मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी वाले इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शामिल होने की पुष्टि हो चुकी है और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी आने की संभावना है।

क्या भारत-चीन और भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई दिशा?

यह सम्मेलन भारत के लिए सहयोगियों के साथ द्विपक्षीय बातचीत का अत्यंत महत्वपूर्ण मंच है। यदि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इसमें भाग लेते हैं, तो साल 2019 में महाबलीपुरम में हुई बैठक के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी, जिससे पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव के बाद द्विपक्षीय संवाद की राह खुल सकती है। साथ ही, भारत-रूस के व्यापारिक संबंधों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

क्यों बेहद खास है भारत की मेजबानी में होने वाला यह 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन?

यह शिखर सम्मेलन कई मायनों में ऐतिहासिक है। इस बार ब्रिक्स की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हुए हैं। हाल ही में हुए विस्तार के बाद यह पहला बड़ा शिखर सम्मेलन है, जिसकी अध्यक्षता भारत 'रिसिलिएंस, इनोवेशन, को-ऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी' की थीम और 'ह्यूमैनिटी फर्स्ट' के दृष्टिकोण के साथ कर रहा है। सम्मेलन के एजेंडे में वैश्विक शासन सुधार, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शामिल हैं।अब ब्रिक्स 11 पूर्णकालिक सदस्यों का एक शक्तिशाली आर्थिक ब्लॉक बन चुका है, जिसमें भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, यूएई और इंडोनेशिया शामिल हैं। इनके अलावा 10 अन्य देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया है जो इसके ढांचे में सहयोग करेंगे। यह विस्तार ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूती से वैश्विक मंच पर रखेगा।भारत ने अब तक चार बार ब्रिक्स की अध्यक्षता की है। वर्ष 2012 में भारत की पहल पर ही न्यू डेवलपमेंट बैंक की नींव पड़ी थी। इस बार 11 देशों के इस विशाल ब्लॉक की अध्यक्षता करते हुए भारत के सामने चुनौती यह होगी कि वह सदस्य देशों के भू-राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर उनके आर्थिक और वित्तीय हितों में तालमेल बैठाए। 11 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स बिजनेस फोरम के बाद शुरू हो रहा यह मुख्य सम्मेलन यह तय करेगा कि यह विस्तारित ब्लॉक अपनी सामूहिक ताकत को जमीन पर कैसे उतारता है।सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास, डिजिटल ट्रेड और सुरक्षित एआई तकनीकों के एकीकरण पर व्यावहारिक रोडमैप तैयार करना।

क्रूड में नए उबाल की आहट: 120 डॉलर पहुंच सकता है भाव, भारत पर बढ़ेगा महंगाई और आयात बिल का दबाव

वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बार फिर बड़े संकट की आहट सुनाई दे रही है। एक तरफ कच्चे तेल के निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस देशों ने अक्तूबर के लिए अपनी उत्पादन नीति में कोई बदलाव न करते हुए आपूर्ति बढ़ाने पर रोक लगा दी है, वहीं दूसरी तरफ प्रमुख वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने चेतावनी दी है कि यदि पश्चिम एशिया में जहाजों पर हमले और बढ़े, तो कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल सकता है।अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 96.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर कच्चे तेल की कीमत करीब एक फीसदी उछलकर सोमवार को 8,774 रुपये प्रति बैरल रही।

गैस और पेट्रोलियम की आपूर्ति में ज्यादा जोखिम

गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, यदि पश्चिम एशिया के प्रमुख जलमार्गों में व्यापारिक जहाजों पर हमले और तेज होते हैं, तो कच्चा तेल उछलकर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। हालांकि, यदि क्षेत्रीय तेल निर्यात सामान्य बना रहता है, तो निवेश बैंक ने 80 डॉलर प्रति बैरल का निचला परिदृश्य भी आंका है। ग्लोबल कमोडिटीज रिसर्च विभाग के अनुसार, कच्चे तेल की तुलना में यूरोपीय गैस और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों में आपूर्ति व्यवधान का जोखिम कहीं अधिक है। बैंक ने निवेशकों को गैस और डीजल में लॉन्ग पोजीशन लेने की सलाह दी है।इसके अलावा, ट्रांसपोर्टेशन लागत में तेज इजाफा होगा, जिसका सीधा असर खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। इससे देश में थोक और खुदरा दोनों स्तरों पर महंगाई दर में नए सिरे से उछाल आने का खतरा पैदा हो जाएगा। तेल खरीद के लिए ज्यादा डॉलर खर्च करने पड़ेंगे और विदेशी मुद्रा कमी होगी।

सऊदी अरब, रूस, इराक, कुवैत, अल्जीरिया, कजाकिस्तान और ओमान सहित 7 प्रमुख सदस्य देशों की रविवार को हुई बैठक में फैसला लिया गया कि नए उत्पादन कोटे तय होने तक उत्पादन नीति यथावत रखी जाएगी। अगस्त में ओपेक समूह ने सितंबर के लिए उत्पादन बढ़ाने की मंजूरी दी थी, जिससे 2023 में लागू की गई 16.5 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती की चरणबद्ध वापसी पूरी हो चुकी है। हालांकि, जारी ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों की आवाजाही में आ रही रुकावटों ने भौतिक तेल बाजार और कीमतों पर ओपेक देशों के प्रभाव को सीमित कर दिया है।

चालू खाता घाटे में वृद्धि रुपया होगा कमजोर

भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल और लगभग आधी प्राकृतिक गैस आयात करता है। यदि तेल की कीमतें बढ़ीं तो इसका सबसे सीधा असर देश के आयात बिल पर पड़ेगा। इससे चालू खाता घाटा तेजी से बढ़ेगा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये पर भारी दबाव देखने को मिलेगा।ओपेक प्लस के उत्पादन न बढ़ाने के रुख से बाजार में अतिरिक्त तेल की कमी बनी रहेगी। कच्चे तेल ऊपर जाने से घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने की गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

सोने में तेजी का दौर अभी नहीं थमेगा: दीपावली तक 1.62 लाख रुपये पहुंच सकते हैं दाम; क्या अभी खरीदें?

घरेलू बाजार रुपये का मजबूत समर्थक

इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी के अनुसार, घरेलू बाजार में 1,49,000 रुपये का स्तर मजबूत सपोर्ट बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 4,400 डॉलर प्रति औंस का स्तर सुरक्षित रहने पर दिवाली तक घरेलू भाव 1,60,000 से 1,62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। केंद्रीय बैंकों का डी-डॉलराइजेशन अभियान : 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस की 300 अरब डॉलर से अधिक की संप्रभु संपत्तियों को फ्रीज किया, जिसने दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की आंखें खोल दीं। विदेशी बैंकों में रखा डॉलर या बॉन्ड प्रतिबंधों की भेंट चढ़ सकता है, लेकिन अपनी तिजोरियों में रखे सोने पर किसी विदेशी शक्ति का नियंत्रण नहीं होता। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, केंद्रीय बैंक लगातार 1,000 टन से अधिक की सालाना खरीदारी कर रहे हैं।

चार साल में सोने का भाव 50 हजार से बढ़कर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। मुनाफावसूली के बावजूद तेजी की उम्मीद बनी हुई है। क्या दीपावली तक सोना 1.62 लाख रुपये तक पहुंच सकता है और अभी खरीदारी का मौका है? पढ़िए रिपोर्टघरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालिया दिनों में सोने में भले ही मुनाफावसूली दिख रही हो, लेकिन सोने की बुनियादी चमक पर कोई आंच नहीं आई है। 24 कैरेट सोने का घरेलू बेंचमार्क सितंबर 2022 के लगभग 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से उछलकर सितंबर 2026 में 1.55 लाख रुपये के स्तर पर टिका हुआ है यानी महज चार साल में 210 फीसदी का बंपर रिटर्न।अंतरराष्ट्रीय बाजार में 29 जनवरी को सोना 5,608 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंचा था। वहां से 20 फीसदी फिसलकर अब यह 4,500 डॉलर के आसपास है। बाजार विश्लेषक इसे मंदी नहीं, बल्कि एक लंबे बुल-रन के बीच की हेल्दी प्रॉफिट बुकिंग मान रहे हैं।ना अब सिर्फ महंगाई से बचाव का पारंपरिक जरिया नहीं रहा। वैश्विक विखंडन के इस दौर में देश इसे डिफॉल्ट-मुक्त कोलैटरल और करेंसी अवमूल्यन के खिलाफ सबसे मजबूत संप्रभु ढाल के रूप में देख रहे हैं। रूस और तुर्की जैसे देश अपनी वित्तीय मजबूरियों और मुद्रा सुरक्षा के लिए सीमित बिक्री कर रहे हैं, लेकिन उभरते बाजारों की संस्थागत मांग उसकी तुरंत भरपाई कर रही है।

खरीफ सीजन में बुआई:

मानसून के अंतिम दौर में खरीफ बुआई का कुल आंकड़ा भले ही सामान्य स्तर के पास पहुंचता दिख रहा हो, लेकिन भीतर की तस्वीर चिंताजनक है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 4 सितंबर, 2026 तक खरीफ फसलों का कुल रकबा 1,086.31 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। यह पिछले साल की समान अवधि के 1,104.00 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 17.69 लाख हेक्टेयर यानी 1.60 फीसदी कम है। शुरुआती महीनों के मुकाबले रकबे का फासला जरूर घटा है, लेकिन सबसे चिंता यह है कि धान का रकबा पिछले साल से काफी पीछे छूट गया है। धान का रकबा 3.74 फीसदी घटकर 421.82 लाख हेक्टेयर रह गया है।

मोटे अनाजों में मिला-जुला रुख

ज्वार और बाजरा की बुवाई में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन मक्के के रकबे में 3.18 फीसदी और रागी में 13.30 फीसदी की भारी गिरावट आई है। पोल्ट्री और स्टार्च इंडस्ट्री के लिए मक्के की कमी चिंता का कारण बन सकती है।

अरहर और उड़द ने संभाला मोर्चा

दलहन का रकबा 1.60 फीसदी बढ़कर 117.13 लाख हेक्टेयर (पिछले साल 115.30 लाख हेक्टेयर) पर पहुंच गया है। उड़द की बुआई 11.95 फीसदी और अरहर की 1.61 फीसदी बढ़ी है। हालांकि, मूंग के रकबे में 3.05% और अन्य दालों में 13.14% गिरावट रही। कम बुआई के नतीजे अब मंडियों में दिखाई देने लगे हैं। धान, सोयाबीन, मूंगफली, मक्का और कपास के रकबे में कमी से उत्पादन कम होने के अनुमान मजबूत हो रहे हैं। वहीं, उड़द, अरहर और सूरजमुखी की बेहतर बुवाई से आने वाले महीनों में दालों और घरेलू खाद्य तेलों की आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है,

बिग बॉस 20: शादी को लेकर ईशा रिखी का बड़ा बयान काजी तौकीर और यंग के बीच हुई तीखी बहस

Bigg Boss 20: नए एपिसोड की शुरुआत कंटेस्टेंट्स के अपना सामान व्यवस्थित करने और एक-दूसरे से बातचीत करने के साथ होती है। इसके बाद शो में बहुत कुछ खास देखने को मिलता है। जानिए क्या है पूरा मामला। सलमान खान के चर्चित शो बिग बॉस 20 की शुरुआत हो चुकी है और नए एपिसोड में कंटेस्टेंट के बीच बहस देखने को मिली है। वहीं ईशा रिखी ने रैपर बादशाह से तलाक के बाद दूसरी शादी पर बड़ा बयान दिया है। जानिए क्या कुछ रहा खास।

पर्सनल लाइफ पर मैरी कॉम का खुलासा

मैरी कॉम अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करती हैं और बताती हैं कि वह हमेशा से एक बेटी चाहती थीं। जुड़वां बेटों के जन्म के बाद उन्होंने अपनी इस इच्छा को पूरा करने के लिए एक बच्ची को गोद लेने का फैसला किया। वहीं अम्रपाली दुबे कहती हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मैरी कॉम को वह इस तरह अपने सामने देखेंगी।

दूसरी शादी पर क्या बोलीं ईशा रिखी

इस बीच, बेडरूम में माही विज ईशा रिखी से कहती हैं कि इस सीजन घर में वह, ईशा और मैरी कॉम तीनों तलाकशुदा हैं। माही, ईशा से यह भी पूछती हैं कि उन्होंने बिग बॉस 20 में आने का फैसला क्यों किया। वहीं, अम्रपाली दुबे ईशा रिखी से कहती हैं कि जब वह सहज महसूस करें तो अपनी शादी और तलाक के बारे में जरूर बताएं, क्योंकि वह उनके बारे में सब कुछ जानने में काफी दिलचस्पी रखती हैं। ईशा कहती हैं कि वह इस बारे में सब कुछ बताएंगी, लेकिन शो के बाहर। ईशा कहती हैं, 'मुझे शादी का आइडिया इतना पसंद था कि मैंने सोचा था कि 18 साल की होते ही शादी कर लूंगी। लेकिन अब मैं सिंगल रहना चाहती हूं, क्योंकि अब मेरा शादी करने का बिल्कुल मन नहीं करता।

आशा भोसले जयंती: गाने के अलावा ताई के पास था यह टैलेंट रिहर्सल के बीच लता दीदी पर क्यों चिल्लाईं?

Asha Bhosle 93rd Birth Anniversary: हिंदी सिनेमा में आठ दशकों तक अपनी आवाज का जादू बिखेरने वालीं दिवंगत गायिका आशा भोसले की आज 93वीं जयंती है। यह आशा ताई का पहला जन्मदिन है जब वो हमारे बीच मौजूद नहीं है। पढ़िए उनसे जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से। आशा भोसले और रफी साहब का यह गीत भले ही आज 65 साल पुराना हो चुका है पर जब भी आशा ताई की याद आती है तो फैंस इस गीत को गुनगुनाना नहीं भूलते। आज अपनी 93वीं जयंती पर आशा ताई भले ही हमारे बीच नहीं हैं पर उनकी आवाज हमेशा हमारे साथ रहेगी। इस साल अपने जन्मदिन से पांच महीने पहले 12 अप्रैल को आशा ताई ने दुनिया को अलविदा कह दिया। जाने से पहले मखमली आवाज की मल्लिका ने सिनेमाई दुनिया में हजारों गाने दिए, जिन्हें आज भी शौक से सुना जाता है। हालांकि, कम ही लोग जानते हैं कि ताई स्वर ही नहीं, स्वाद साम्राज्ञी भी थीं। इस जन्मतिथि पर पढ़िए आशा भोसले से जुड़े कुछ खास किस्से.

9 साल की आशा के सिर से उठा पिता का साया

आशा ने महज 10 साल की उम्र से ही गाना शुरू कर दिया था। पिता दीनानाथ मंगेशकर मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर थे, ऐसे में आशा का बचपन संगीत के माहौल में बीता। घर पर हर वक्त सुरों और शास्त्रीय संगीत की महफिल सजती थी। जब आशा महज 9 साल की थीं, तब उनके सिर से पिता का साया उठ गया। पिता की अचानक मृत्यु के बाद मंगेशकर परिवार भारी वित्तीय संकट में घिर गया। परिवार के जीवनयापन के लिए पुणे और कोल्हापुर से होते हुए अंततः मुंबई (बंबई) आना पड़ा।

कम उम्र में ही घर को संभालने के लिए 14 साल की बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ-साथ 9 साल की आशा भोसले ने भी संगीत और गायकी की दुनिया में कदम रखा।

मराठी फिल्म में गाया था पहला गाना

- बचपन के दिनों में आशा अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ बिल्कुल जुड़ी रहती थीं और परछाई बनकर उनके पीछे-पीछे चलती थीं।
- लता दीदी भी छोटी बहन आशा को अपनी गोद में लेकर घूमती थीं।

अमिताभ बच्चन: जब अक्षय के घर पहुंचे बिग बी फैन से हुई ऐसी गलती कि सोच में पड़ गए खिलाड़ी कुमार

Akshay Kumar: हाल ही में अक्षय कुमार और सैफ अली खान कौन बनेगा करोड़पति में फिल्म 'हैवान' के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान अक्षय ने एक ऐसा किस्सा शेयर किया, जिसे सुनकर सब हैरान रह गए। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार और सैफ अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हैवान के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच दोनों एक्टर केबीसी के सेट पर पहुंचे थे। इस दौरान एक्टर ने अमिताभ बच्चन से जुड़ा एक खास किस्सा शेयर किया। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। शो के एक सेगमेंट के दौरान अक्षय कुमार ने उस समय का किस्सा याद किया, जब अमिताभ बच्चन उनके मुंबई के लोखंडवाला वाले घर पर आए थे। अक्षय ने बताया कि उनके घर पर काम करने वाला एक शख्स अमिताभ बच्चन का बहुत बड़ा फैन था।

जब उसने पहली बार अमिताभ बच्चन को सामने देखा तो वह इतना ज्यादा एक्साइटेड हो गया कि उससे कुछ संभाला ही नहीं गया। इसी एक्साइटमेंट में उसने अमिताभ बच्चन के कुर्ते पर पानी के गिलास गिरा दिए। अमिताभ बच्चन को से बात करते हुए अक्षय ने कहा, 'सर, क्या आपको याद है जब आप मेरे घर आए थे? मैं लोखंडवाला की बात कर रहा हूं, जब मैं वहां रहा करता था। मेरे घर पर काम करने वाले उस लड़के को आपको पानी देना था। वहां तीन-चार गिलास रखे हुए थे। मुझे वह बात बहुत अच्छे से याद है। सर ने कुर्ता पहना हुआ था और वह लड़का इलाहाबाद का था। उसने आपको देखा और उसे यकीन ही नहीं हुआ कि वह सच में अमिताभ जी को पानी का गिलास दे रहा है।'

अमिताभ बच्चन को से बात करते हुए अक्षय ने कहा, 'सर, क्या आपको याद है जब आप मेरे घर आए थे? मैं लोखंडवाला की बात कर रहा हूं, जब मैं वहां रहा करता था। मेरे घर पर काम करने वाले उस लड़के को आपको पानी देना था। वहां तीन-चार गिलास रखे हुए थे। मुझे वह बात बहुत अच्छे से याद है। सर ने कुर्ता पहना हुआ था और वह लड़का इलाहाबाद का था। उसने आपको देखा और उसे यकीन ही नहीं हुआ कि वह सच में अमिताभ जी को पानी का गिलास दे रहा है।'

अक्षय का यह किस्सा सुनकर अमिताभ बच्चन और शो में मौजूद सभी लोग हंसने लगे।

- 13 साल बाद साथ आएंगे अक्षय और सैफप्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं।
- यानी करीब 18 साल बाद दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।

रिहर्सल के बीच लता दीदी पर क्यों चिल्लाईं? दी चेतावनी- 'सुन लो सब जेन जी हूं मैं'

'Bigg Boss 20: रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' कल 06 सितंबर से शुरू हुआ। प्रीमियर एपिसोड में प्रतिभागियों की एंट्री कराई गई। अब घरवालों के बीच तकरार भी देखने को मिल रही है। चर्चित शो 'बिग बॉस' ने अपने 20वें सीजन के साथ वापसी की है। अभी इसे शुरू हुए एक दिन बीता है और घर के अंदर अभी से हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया है। अरिश्फा खान घर वालों को चेतावनी देती दिखी हैं। उनके और काजी तौकीर के बीच तकरार भी देखने को मिली। इसके बाद अरिश्फा ने सभी घरवालों को चेतावनी दे डाली है।

क्यों नाराज हुईं अरिश्फा खान?

'बिग बॉस सीजन 20' का नया प्रोमो सामने आया है। इसमें अरिश्फा खान और काजी तौकीर के बीच बहस देखी जा रही है। अरिश्फा इतनी नाराज हो गई हैं कि उन्होंने सभी घरवालों को चेतावनी दे दी है। दरअसल, नाराजगी की वजह ये है कि उनकी कम उम्र पर तंज कर दिया गया। इस पर वे आगबबूला हो गईं और बोलीं कि वे जेन जी हैं और उनके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाए।

अरिश्फा बोलीं- 'खा जाऊंगी तुम लोगों को'

सामने आए वीडियो में अरिश्फा सभी घरवालों को संबोधित करते हुए कहती हैं, 'सुन लो सब लोग। मैं बच्ची नहीं हूं। मैं जवाब दे दूंगी उल्टा फिर बुरा लग जाएगा'। जब अरिश्फा यह कहती हैं तो काजी बीच में टोक देते हैं। इस पर अरिश्फा और नाराज हो जाती हैं और कहती हैं कि मुझे अपनी बात पूरी करने दो। यह सुन काजी तंज कसते हैं, 'मुझे मेरा बचपना याद आ रहा है आपको देखकर'।

ओटीटी रिलीज: इस सप्ताह ओटीटी पर होगा 'घमासान' क्रांति की मशाल लेकर निकलेंगे 'सिरफिरे', क्या-क्या होगा खास?

OTT Releases This Week: नए वीक की शुरुआत हो गई है। कुछ नई फिल्में और सीरीज की आमद होगी। जानिए क्या-क्या है इस बार लिस्ट में? सिनेमाघरों में इन दिनों फिल्म 'हनुमान अंश' की खूब चर्चा हो रही है। इसके अलावा 'मिर्जापुर द मूवी' भी आ गई है। 'हैवान' इस सप्ताह थिएटर में आने वाली है। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी इस वीक खूब घमासान होने वाला है। जानिए क्या-क्या है इस बार ओटीटी के पिटारे में? आगामी वेब सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' इस सप्ताह रिलीज होगी। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर बनाई गई है। निखिल आडवाणी निर्देशित यह ऐतिहासिक ड्रामा सीरीज 11 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, जेसन शाह, पाओली डैम और टोटा रॉय चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार अदा करेंगे। इस वीक फिल्म 'घमासान' भी रिलीज होने जा रही है। अरशद वारसी और तिग्मांशु धूलिया अभिनीत फिल्म एक कुख्यात डाकू महाराज और एसटीएफ अधिकारी आदित्य की कहानी पर आधारित है। दर्शक इसे 11 सितंबर से जी5 पर देख पाएंगे। बता दें कि फिल्म का निर्देशन तिग्मांशु धूलिया ने किया है। अभिनेता अरशद वारसी इस फिल्म में डाकू की भूमिका में नजर आएंगे। ओटीटी पर इस वीक आपको मोगली की कहानी भी देखने को मिलेगी। एनिमेटिड सीरीज 'जंगल टेल्स विद मोगली' जो रिलीज हो रही है। इसे बच्चों के साथ देख सकते हैं। यह सीरीज 12 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस वीक वेब सीरीज चुंबक भी रिलीज होने वाली है। इसमें मोहल्ले में आस-पड़ोस के घरों के बीच के पारिवारिक और आत्मीय रिश्तों को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई सितारे हैं। इस सीरीज का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर 10 सितंबर से होगा।

Aaj ka Rashifal 08 September

मेष और सिंह राशि वालों की चमकेगी किस्मत, अटके काम होंगे पूरे और बढ़ेगा आत्मविश्वास

आज का दिन आपके लिए क्या खास लेकर आया है? ग्रह-नक्षत्रों की चाल का आपके जीवन पर क्या असर पड़ेगा, जानिए सभी राशि का आज का राशिफल। करियर, कारोबार, धन, प्रेम, परिवार और स्वास्थ्य के लिहाज से कैसा रहेगा आपका दिन, यहां पढ़ें पूरी भविष्यवाणी।

Aaj Ka Rashifal 8 September 2026: नया दिन अपने साथ नई उम्मीदें, नए अवसर और कुछ महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आता है। आज ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का प्रभाव सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों को करियर और कारोबार में सफलता के संकेत मिल सकते हैं, तो किसी को आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी। वहीं प्रेम, रिश्तों और पारिवारिक जीवन में भी आज कुछ खास घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। अगर आप जानना चाहते हैं कि 8 सितंबर 2026 को आपका दिन कैसा रहेगा, किन कामों में सफलता मिलने की संभावना है और किन मामलों में सावधानी रखनी चाहिए तो पढ़ें आज का राशिफल। यहां जानिए सभी राशि के जातकों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा। साथ ही जानें नौकरी, व्यापार, धन, प्रेम, परिवार और स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण राशिफल संकेत।

मेष

आज का दिन नई उम्मीद और राहत लेकर आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई काम आखिरकार पूरा होने से मन हल्का और खुश महसूस करेगा। जीवनसाथी के साथ चल रही दूरियां बातचीत और समझदारी से कम होंगी और रिश्ते में फिर से मिठास लौटेगी। आप दोनों मिलकर भविष्य को लेकर साथ बैठकर नई योजनाएं बना सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए भी समय अच्छा है। किसी बड़े पद, जिम्मेदारी या सम्मान की प्राप्ति से आत्मविश्वास काफी बढ़ सकता है।

वृषभ

आज कुछ प्रभावशाली और खास लोगों से मुलाकात आपके करियर या कारोबार के लिए नए अवसर ला सकती है। हालांकि, दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है। संतान की नौकरी में तरक्की से परिवार में गर्व और खुशी का माहौल बनेगा। पुराने प्यार से अचानक मुलाकात भावनाओं को जगा सकती है, लेकिन बीती बातों में ज्यादा उलझना ठीक नहीं रहेगा। बैंक लोन या फाइनेंस से जुड़ी अड़चनें भी आज दूर होने की संभावना है।

मिथुन

आज आपकी सूझबूझ और सही समय पर फैसला लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई जल्दबाजी वाला कदम न उठाएं। संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। नौकरी में किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिए जूनियर का सहयोग भी काफी उपयोगी रहेगा। काम की अधिक व्यस्तता से थकान महसूस हो सकती है, लेकिन भाई-बहनों के साथ अच्छा समय बिताने से मूड बेहतर होगा। घर में शादी-विवाह की चर्चा भी तेज हो सकती है।

कर्क

आज वैवाहिक जीवन में प्यार, समझ और आपसी सहयोग का खूबसूरत तालमेल देखने को मिलेगा। माताजी से किया हुआ कोई वादा पूरा करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतोष होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का विचार बन सकता है, लेकिन अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें। कारोबार में आपके नए विचार नई ऊंचाइयों का रास्ता खोल सकते हैं। ऑफिस में भी आपके काम की तारीफ होगी और बॉस आपके प्रदर्शन से प्रभावित रहेंगे। कोई खास सूचना दिन को और यादगार बना सकती है।

सिंह

आज खुशियां और उपलब्धियां आपका इंतजार कर रही हैं। कोई महत्वपूर्ण जानकारी आपके सामने नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में अपनापन और मजबूती बढ़ाएगा। लंबे समय से अटकी हुई बिजनेस डील आखिरकार फाइनल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और उत्साह भरपूर रहेगा, जिससे आप कई जरूरी काम समय से पहले पूरे कर सकते हैं। संतान के साथ घूमने-फिरने का कार्यक्रम बने तो दिन और भी खास हो जाएगा।

कन्या

आज आर्थिक मामलों में भाग्य आपका अच्छा साथ दे सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं और आय में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के लिए कोई खास चीज खरीदना रिश्ते में प्यार और अपनापन बढ़ाएगा। हालांकि निवेश से जुड़े फैसले जल्दबाजी में न लें और पूरी जानकारी के बाद ही कदम उठाएं। नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों के लिए नए अवसर सामने आ सकते हैं। सही विकल्प चुनने से करियर को नई दिशा मिल सकती है।

तुला

आज दिन काफी व्यस्त और भागदौड़ भरा रह सकता है। कोशिश करें कि जरूरी काम खुद संभालें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। किसी पार्टी या समारोह में जाने का मौका मिल सकता है, जहां आपकी बातचीत और व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेंगे। यात्रा या घूमने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लग सकती है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। वहीं किसी पुराने मित्र से मुलाकात बीती यादें ताजा करके आपका दिन खुशनुमा बना सकती है।

वृश्चिक

आज सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए खान-पान और आराम पर विशेष ध्यान दें। अचानक किसी यात्रा की योजना बन सकती है। कारोबार की कोई पुरानी समस्या भाई-बहनों के सहयोग से सुलझने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के भीतर कुछ नया सीखने और अलग करने की इच्छा जागेगी, जो आगे उनके लिए फायदेमंद हो सकती है। परिवार में आपसी अपनापन बढ़ेगा और रिश्तेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे। अपनों का साथ आपको भावनात्मक मजबूती देगा।

धनु

आज मन की कोई इच्छा पूरी न होने से थोड़ी बेचैनी या निराशा महसूस हो सकती है। काम में भी मन कम लगे तो खुद को सकारात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखना बेहतर होगा। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी बात पर मतभेद बढ़ सकता है, इसलिए बहस के बजाय धैर्य से बात करें। कार्यक्षेत्र में भी विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी होगा और किसी के बहकावे में आने से बचें।

मकर

आज अचानक धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराना अटका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी खबर का इंतजार खत्म हो सकता है। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों की रौनक बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ चल रही खटास को दूर करने के लिए आप दिल से प्रयास करेंगे। हालांकि, किसी सहयोगी की कही बात आपको थोड़ी परेशान या भावुक कर सकती है।

कुंभ

आज का दिन सामान्य से बेहतर और कुछ नई संभावनाओं वाला रह सकता है। अचानक यात्रा के योग बन सकते हैं। संतान ने किसी परीक्षा में हिस्सा लिया था तो उसका परिणाम आपके लिए खुशी लेकर आ सकता है। नई नौकरी के लिए किया गया प्रयास भी सफल होने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए रास्ते खुल सकते हैं और भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ेगा। हालांकि, आर्थिक मामलों में सावधानी रखें और जरूरत न हो तो किसी भी परिस्थिति में उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा।

मीन

आज कारोबार में उतार-चढ़ाव के कारण मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है। पार्टनरशिप से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखें और किसी भी दस्तावेज या समझौते को बिना पढ़े स्वीकार न करें। दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। माताजी के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत हो सकती है। अपनी जिम्मेदारियों को टालना ठीक नहीं होगा, क्योंकि आज की लापरवाही आगे चलकर परेशानी बढ़ा सकती है।

Aaj Ka Love Rashifal

इन 2 राशियों की लव लाइफ में आएगा बड़ा बदलाव, पार्टनर से बढ़ेगा प्यार

Love Rashifal 8 September 2026: प्यार और रिश्तों के मामले में आज का दिन कैसा रहेगा? जानें सभी 12 राशियों के लिए प्रेम जीवन से जुड़े खास संकेत और अपने रिश्ते की स्थिति।

Love Rashifal 8 September 2026: प्यार और रिश्तों के लिहाज से आज का दिन सभी राशियों के लिए कुछ खास संकेत लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके प्रेम जीवन, पार्टनर के साथ संबंध और भावनाओं पर देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों के रिश्ते में प्यार और नजदीकियां बढ़ सकती हैंतो कुछ लोगों को छोटी-छोटी गलतफहमियों से बचने की जरूरत होगी। अगर आप सिंगल हैं और अपने जीवन में किसी खास व्यक्ति के आने का इंतजार कर रहे हैं, तो आज का दिन आपके लिए कोई नया संकेत दे सकता है। वहीं रिलेशनशिप में रहने वाले लोगों के लिए पार्टनर के साथ बातचीत और आपसी समझ रिश्ते को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है। इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

आज का अंक ज्योतिष 08 सितंबर: मूलांक 2 और 6 वालों के लिए खास रहेगा दिन, नए संपर्कों से मिलेगा लाभ

Ank Jyotish 8 September 2026: अंक ज्योतिष के अनुसार आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए करियर, धन, प्रेम और स्वास्थ्य से जुड़े खास संकेत।

Ank Jyotish 8 September 2026: अंक ज्योतिष में हर मूलांक का अपना विशेष महत्व माना जाता है और जन्मतिथि के आधार पर आज के दिन की ऊर्जा और संभावनाओं का अंदाजा लगाया जाता है। 8 सितंबर का दिन कुछ मूलांक वाले जातकों के लिए नई उम्मीदें, सफलता और आर्थिक लाभ लेकर आ सकता है जबकि कुछ लोगों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं 8 सितंबर 2026 का आज का अंक ज्योतिष और जानें मूलांक 1 से लेकर मूलांक 9 तक के जातकों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा। किस मूलांक को मिलेगा भाग्य का साथ, किसके लिए धन लाभ के बनेंगे योग और किन लोगों को आज रिश्तों व करियर के मामले में संभलकर आगे बढ़ना चाहिए।

सूर्य-केतु युति 2026: 17 सितंबर तक इन राशि वालों का समय रहेगा गोल्डन, करियर-धन में मिलेगा बड़ा लाभ

Surya Ketu Yuti 2026: 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है, जिससे कुछ राशियों को विशेष लाभ संभव है। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Surya Ketu Yuti 2026: ज्योतिषियों के अनुसार, सूर्य अभी अपनी राशि सिंह में गोचर कर रहे हैं और यहां उनकी युति केतु के साथ बन रही है। सूर्य-केतु की यह युति कुछ राशि वालों के लिए विशेष लाभकारी साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि, 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है। ऐसे में तबतक कुछ राशियों का समय बेहद कल्याणकारी रह सकता है। इस दौरान जातकों को करियर, नौकरी, व्यापार और निवेश से जुड़े मामलों में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही कई अटके कामों में गति आने और नए अवसर मिलने के भी योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-सी राशियां इस दौरान लकी रहने वाली हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों को इस दौरान धन लाभ हो सकता है। करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। यदि आप किसी काम को लेकर लंबे समय से प्रयास कर रहे थे तो उसमें सफलता मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में भी सकारात्मक अवसर सामने आ सकते हैं। आपका अधिकांश समय मौज-मस्ती और दोस्तों के साथ बित सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। पैतृक संपत्ति से आपको अच्छा खासा धन अर्जित करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों को नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। करियर के मोर्चे पर नई जिम्मेदारी मिलने के भी योग बन रहे हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। इस दौरान आपके कई काम मनचाहे तरीके से पूरे हो सकते हैं। घर में लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम भी पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की सराहना हो सकती है। ईमानदारी आपके रिश्ते को मजबूत बनाएगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने की संभावना अधिक रहेगी।

क्या टीम इंडिया कायम रख पाएगी दबदबा?

अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है भारत का रिकॉर्ड

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से तीन मैचों की टी20 सीरीज शुरू होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया के पास अफगानिस्तान के खिलाफ अपने बेहतरीन रिकॉर्ड को मजबूत करने का मौका होगा। वैभव सूर्यवंशी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, रवि बिश्नोई और नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी और इस सीरीज में उसके सामने न केवल अफगानिस्तान के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखने की चुनौती होगी, बल्कि कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी खास नजर रहेगी। टी20 इंटरनेशनल में भारत का अफगानिस्तान के खिलाफ पलड़ा अब तक पूरी तरह भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल नौ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारतीय टीम ने आठ मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। यानी अफगानिस्तान को अब तक भारत के खिलाफ इस फॉर्मेट में जीत नहीं मिली है। हालांकि, अफगानिस्तान की टीम पिछले कुछ समय में टी20 क्रिकेट में लगातार मजबूत हुई है। उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी दिन मुकाबले का रुख बदल सकते हैं। ऐसे में भारत के लिए यह सीरीज सिर्फ रिकॉर्ड कायम रखने का मौका नहीं होगी, बल्कि टीम के कुछ अहम खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का मंच भी होगी।

2024 में दो सुपर ओवर तक पहुंचा था मुकाबला

भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 क्रिकेट में सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक 2024 में बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया था। मुकाबला टाई रहा था और विजेता का फैसला करने के लिए दो सुपर ओवर खेलने पड़े थे। आखिरकार भारतीय टीम ने बाजी मारी थी। यह मुकाबला बताता है कि अफगानिस्तान भारत के खिलाफ कितना कड़ा मुकाबला पेश कर सकता है। इसके बाद दोनों टीमों की आखिरी टी20 भिड़ंत 2024 टी20 विश्व कप में हुई थी, जहां भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 47 रन से जीत दर्ज की थी। अब दोनों टीमों के बीच एक बार फिर टी20 सीरीज हो रही है और इस बार भारतीय टीम की नजरें अपने रिकॉर्ड को और मजबूत करने पर होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: 15 साल के बल्लेबाज की अग्निपरीक्षा

इस सीरीज में सबसे ज्यादा चर्चा वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन को लेकर हो सकती है। महज 15 साल की उम्र में भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह बनाने वाले वैभव पहले ही अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित कर चुके हैं।

इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका मिला है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के आखिरी टी20 मुकाबले में उन्होंने 81 रन की दमदार पारी खेली थी। दलीप ट्रॉफी में भी वह अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ उनके सामने अलग तरह की चुनौती होगी। टीम के पास ऐसे स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्लेबाजों को लगातार मुश्किल में डाल सकते हैं। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वैभव अफगानिस्तान के स्पिन आक्रमण के खिलाफ किस तरह की रणनीति अपनाते हैं। जसप्रीत बुमराह की वापसी इस सीरीज को और खास बनाती है। बुमराह ब्रेक के बाद भारतीय टी20 टीम में लौट रहे हैं और लंबे समय से भारतीय क्रिकेट में उनके प्रदर्शन पर सबसे ज्यादा भरोसा किया जाता रहा है। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। अब उनकी नजरें मैदान पर वापसी के साथ अपनी लय हासिल करने पर होंगी। हालांकि, सीरीज में उनकी उपलब्धता फिटनेस टेस्ट पास करने पर निर्भर करेगी। अगर वह पूरी तरह फिट होकर मैदान पर उतरते हैं और अपनी पुरानी लय में नजर आते हैं,

केविन पीटरसन बने इंग्लैंड की टीम के मेंटर:

केएल राहुल ने कर दी खिंचाई पूछा- पैकेज में मालदीव टूर भी शामिल है?

केविन पीटरसन 12 साल बाद इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम से जुड़े हैं। उन्हें 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम का विशेषज्ञ मेंटर बनाया गया है। पीटरसन की नियुक्ति पर केएल राहुल ने सोशल मीडिया पर मजेदार कमेंट करते हुए मालदीव की छुट्टी को लेकर उनकी खिंचाई की। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की राष्ट्रीय टीम में 12 साल बाद वापसी हुई है। पीटरसन अब इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम में मेंटर की भूमिका निभाएंगे। हालांकि, उनकी इस नई जिम्मेदारी के ऐलान के बाद भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने सोशल मीडिया पर ऐसा कमेंट किया, जिसने क्रिकेट फैंस का ध्यान खींच लिया।

पीटरसन के पोस्ट पर राहुल का मजेदार कमेंट

पीटरसन और राहुल पिछले सीजन आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में एक साथ काम कर चुके हैं। पीटरसन दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर थे, लेकिन अब उन्होंने इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के साथ नई जिम्मेदारी संभाल ली है। इंग्लैंड क्रिकेट ने पीटरसन की नियुक्ति को लेकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसी पोस्ट पर राहुल ने पीटरसन की टांग खींचते हुए लिखा, 'क्या पैकेज में मालदीव की छुट्टी भी शामिल है? केविन पीटरसन?' राहुल के इस कमेंट पर पीटरसन भी अपनी हंसी नहीं रोक सके और उन्होंने हंसने वाले इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

राहुल का मालदीव वाला कमेंट आईपीएल 2025 से जुड़ा है। उस सीजन दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के बीच में कुछ दिनों के लिए मालदीव गई थी। उस दौरान पीटरसन भी टीम के साथ मौजूद थे। इसी वजह से इंग्लैंड के साथ पीटरसन की नई भूमिका पर राहुल ने मालदीव की छुट्टी का जिक्र करते हुए मजाक किया। इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस को खूब हंसाया। पीटरसन अब ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व वाले इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे। वह इस महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वाइटैलिटी आईटी20 और मेट्रो बैंक वनडे सीरीज के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड के कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं। पीटरसन सर्दियों में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरों में भी टीम के साथ काम करेंगे। इसके बाद वह अगले साल गर्मियों में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान भी टीम से जुड़ेंगे।

शुभमन गिल का जन्मदिन: अंडर-19 विश्व कप से बनाई पहचान

कम उम्र में मिली कप्तानी बने भारतीय क्रिकेट का सितारा

भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। गिल ने कम समय में ही वैश्विक क्रिकेट में अपनी पहचान बना ली है। गिल ने 2019 में वनडे डेब्यू किया और महज छह साल बाद ही उन्हें इस टीम की कमान सौंप दी गई। भारतीय क्रिकेट के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार शुभमन गिल शानदार तकनीक, बेहतरीन टाइमिंग और धैर्य उनकी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई यादगार पारियां खेली हैं। गिल की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण सितारा बनाया है। 8 सितंबर 1999 को फाजिल्का (पंजाब) में जन्मे गिल को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह अक्सर अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों के साथ खेला करते थे। साल 2014 में उन्होंने पंजाब के अंतर-जिला अंडर-16 टूर्नामेंट में 351 रन बनाए और निर्मल सिंह के साथ 587 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के दौरान अंडर-16 स्टेट डेब्यू में नाबाद दोहरा शतक लगाया। गिल ने साल 2017 के आखिर में रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करते हुए पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया। अगले मैच में उनके बल्ले से 129 रन निकले। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अगले ही साल उन्हें अंडर-19 विश्व कप 2018 के लिए टीम का उपकप्तान चुना गया। अंडर-19 विश्व कप 2018 में गिल छह मुकाबलों की पांच पारियों में 124 की औसत के साथ 372 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में सात चौकों के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली थी। दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर हुए। उन्हें आईपीएल 2018 के लिए नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पहले ही सीजन गिल ने 13 मुकाबलों में 33.83 की औसत के साथ 203 रन बनाए। गिल को साल 2019 में वनडे डेब्यू का मौका मिला, जिसके बाद दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 45 और 35 रन बनाए।

गिनीज बुक में दर्ज: 100 km दौड़कर गेंद फेंकी एंड्रयू स्ट्रॉस की दिवंगत पत्नी की याद में सैम ने बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने गेंद फेंकने के लिए करीब 100 किलोमीटर का रनअप लेकर अनोखा कारनामा किया। उन्होंने 14 घंटे में लॉर्ड्स से वोकिंग तक दौड़ पूरी की और इसके बाद गेंद फेंकी। इस प्रयास से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड जुटाए गए। सैम ने गिनीज बुक के लिए आवेदन भी किया है। आपने एक गेंद फेंकने के लिए सबसे लंबा रनअप किस गेंदबाज का देखा है? निश्चित तौर पर आप जिन्हें याद करेंगे, उन सभी का रनअप 30 गज के सर्किल के आसपास से शुरू होता था। लेकिन इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने मीटर नहीं, बल्कि 100 किलोमीटर लंबा रनअप लेकर दौड़ लगाने के बाद गेंद फेंककर विश्व रिकॉर्ड के लिए दावा ठोका है। सैम बोडोआनो ने इस अनूठे कारनामे से कैंसर चैरिटी के लिए 6,000 पाउंड (करीब 7.65 लाख रुपये) जुटाए हैं, जो 'द रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन' को मिलेंगे। इसकी स्थापना इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी दिवंगत पत्नी रूथ की याद में कैंसर पीड़ित मरीजों की मदद के लिए की है। 46 साल की रूथ का निधन फेफड़ों के एक दुर्लभ कैंसर से जूझने के बाद हुआ था।

14 घंटे में पूरी हुई दौड़

सैम बोडोआनो ने 29-30 अगस्त की रात लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम से अपने रनअप पर दौड़ना शुरू किया। वह क्रिकेट की सफेद ड्रेस पहने हुए थे। यहां से उन्हें करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित सरे के वोकिंग स्थित वैली एंड क्रिकेट क्लब पहुंचकर गेंद फेंकनी थी। उन्होंने यह दौड़ करीब 14 घंटे तक दौड़ते हुए पूरी की।

गिनीज बुक में भेजा नाम

बोडोआनो ने 2024 में बने टॉम डन के 24 किलोमीटर दौड़ के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए सैम ने आवेदन कर दिया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नियमों के अनुसार, बोडोआनो के प्रयास की अब औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया होगी। इसके बाद ही इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता दी जाएगी। इसमें करीब दो सप्ताह का समय लगता है।

सैम बोडोआनो ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'पूरे समय गेंद को पकड़े रहना झंझट भरा था। आश्चर्य है कि सफेद जर्सी पहनना उतना असहज नहीं था, जितना सोचा था। मैं थका हुआ हूं। नींद पूरी नहीं हुई, लेकिन यह अद्भुत उद्देश्य के लिए था।' सैम ने लिंक्डइन पर खुद को कंटेंट क्रिएटर, एंड्यूरेंस एथलीट के साथ इंग्लैंड की हॉकी प्रीमियर लीग का खिलाड़ी बताया है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300